RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

# इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 30 AUGUST TO 05 SEPTEMBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 50 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

पानीपत में स्थापित होगा आईओसीएल का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट Page 2

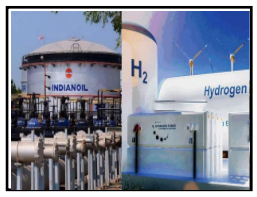


क्या होती है प्रॉपर्टी की सेल डीड, लीज डीड और सबलीज Page 4

पूरी दुनिया में फिर बढ़ा कोरोना का खतरा कनाडा में नए वेरिएंट से हड़कंप Page 5

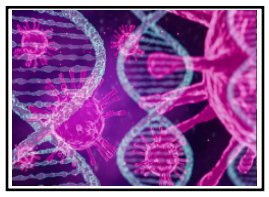

editoria!

## तनाव से बचें सुरक्षाकर्मी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों और अधिकारियों को फिटनेस पर ध्यान देने के साथ या करने की सलाह दी है. उन्होंने दिल्ली में अर्धसैनिक बल, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस में शामिल होने वाले 51,000 जवानों और कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपते समय उन्हें मानसिक तनाव से बचने के लिए यह सुझाव दिया. प्रधानमंत्री ने यह बात यूं ही नहीं कही है. सुरक्षाकर्मियों के तनाव में रहने की समस्या एक गंभीर रूप लेती जा रही है. गृह मंत्रालय ने इसी महीने संसद में जानकारी दी है कि वर्ष 2011 से लेकर अब तक 1,532 सुरक्षाकर्मियों ने आत्महत्या कर ली है. पिछले तीन साल में ही 436 सुरक्षाकर्मियों ने खुदकुशी कर ली है. पिछले एक दशक के आंकड़ों को देखने से पता चलता है कि पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा सुरक्षाकर्मियों ने आत्महत्याएं की हैं. यह आंकड़े परेशान करनेवाले हैं. भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या है. नौकरियां कम होती हैं और उम्मीदवार ज्यादा. सरकारी नौकरियों को लेकर अलग तरह का आकर्षण रहता है. केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में एक लंबी-चौड़ी चयन प्रक्रिया से गुजरने के बाद नौकरी मिलती है. अक्सर एक जवान की नौकरी पर उसका परिवार भी निर्भर रहता है. ऐसे में यह बात सच में दुखद है कि सरकारी नौकरी का सपना पूरा होने के साथ युवाओं को देश की रक्षा का एक जिम्मेदारी भरा काम भी मिलता है, तो वह आत्महत्याएं क्यों कर लेते हैं. इसकी वजह केवल तनाव को बताया जाता है. युवा जिस उम्मीद के साथ इन नौकरियों में जाते हैं, जब वह पूरी नहीं होती दिखती तो उन्हें तनाव होने लगता है. देश और समाज की सुरक्षा से जुड़ी सेना, अर्धसैनिक बलों या पुलिस की नौकरियां दफ्तर की नौकरियों से अलग होती हैं. जवानों को मुश्किल हालात में काम करना पड़ता है. प्रधानमंत्री भी इसे समझते हैं. उन्होंने कहा कि वर्दीधारी जवानों का काम समय के बंधनों में बंधा नहीं होता और मौसम की हर मार झेलनी पड़ती है. उन्होंने साथ ही कहा कि काम के दौरान अक्सर तनाव के पल आते हैं और इससे मुक्त रहने के लिए नियमित रूप से योग करना चाहिए. प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी बिल्कुल सही है कि कई बार जवानों का खड़ा रहना ही काफी हो जाता है. मुस्तैदी से खड़े एक जवान को देखकर ही लोग कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने से कतराते हैं. देश और समाज की सुरक्षा का भार उठा जवानों को अपनी सेहत का भी गंभीरता से ध्यान रखना चाहिए.

# जून में भारत ने रूस से खरीदा सबसे सस्ता कच्चे तेल, करीब 42 प्रतिशत सस्ता

**नई दिल्ली। एजेंसी**

रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से भारत को जून महीने में रुसी कंपनियों के से अबतक का सबसे सस्ता कच्चे तेल मिला है। जून में भारतीय तटों पर रूसी कच्चे तेल की लैंडिंग की औसत लागत एक साल से अधिक समय पहले यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद से सबसे कम देखी गई।

### एक साल पहले 100.48 डॉलर प्रति बैरल थी कीमत

भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, माल ढुलाई लागत समेत प्रत्येक बैरल की कीमत 68.17 डॉलर थी, जो मई में 70.17 डॉलर और एक साल पहले 100.48 डॉलर प्रति बैरल से कम है। हालांकि, यह पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाई गई 60 प्रति डॉलर की सीमा से ज्यादा है, लेकिन इस सीमा में शिपिंग शामिल नहीं है। युद्ध के बाद से भारत, चीन के साथ रूस से कच्चे तेल खरीदने वाले दुनिया के शीर्ष उपभोक्ताओं में से एक बन गया है। भारत आम तौर पर माल ढुलाई, बीमा और अन्य लागतों समेत डिलीवरी के आधार पर रूस की कंपनियों से कच्चा तेल खरीदता है। इसमें कच्चे तेल के परिवहन के साथ सभी लॉजिस्टिक और जोखिमों को संभालने की जिम्मेदारी विक्रेता यानी तेल बेचने वाली कंपनी की होती है, भले ही शिपमेंट का भाव सीमा के नीचे या ऊपर हो।

### तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत आयात पर निर्भर

सरकार के आंकड़ों के अनुसार, जून में इराक से कच्चे तेल का आयात औसतन 67.10 डॉलर प्रति बैरल था, जबकि सऊदी अरब से आयात इससे कहीं अधिक 81.78 डॉलर प्रति बैरल था। बता दें कि भारत अपनी 88 प्रतिशत तेल मांग की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। इससे पहले तेल मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने शुक्रवार को कहा कि रूस से मिलने वाले कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है। दूसरी तरफ, रूस और सऊदी अरब द्वारा बाजार को आगे बढ़ाने के लिए आपूर्ति पर अंकुश लगाने का वादा करने के बाद हाल के हफ्तों में क्रूड आयल की वैश्विक बेंचमार्क कीमतें चढ़ गई हैं।

# गैस सिलेंडर की नई दरें लागू, क्या हैं दाम

**नई दिल्ली। एजेंसी**

देश में महंगाई से परेशान लोगों को सरकार ने बीते मंगलवार को बड़ी राहत दी है। सरकार ने घरों में इस्तेमाल वाले रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये घटा दिये हैं। इसके अलावा उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में 75 लाख नये एलपीजी कनेक्शन देने का भी निर्णय किया है। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में सभी लोगों के लिये एलपीजी सिलेंडर के दाम 200 रुपये कम करने का निर्णय किया गया। बताया कि इस पहल का मकसद परिवारों को राहत उपलब्ध कराना है। इसके साथ सरकार उज्ज्वला योजना के तहत 75 लाख परिवारों को नये एलपीजी कनेक्शन देगी। इससे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी। इस बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में कटौती से महिलाओं की सहूलियत बढ़ेगी तथा उनका जीवन और भी आसान होगा। रसोई गैस सिलेंडर की नई दरें लागू हो गई है।

सरकार के इस फैसले के बाद गैस सिलेंडर की नई दरें लागू हो गई हैं। अभी तक राजधानी दिल्ली में 14.2 किलो का एलपीजी सिलेंडर 1103 रुपये में मिल रहा था। वहीं आज से इसकी कीमत 903 रुपये हो गई है। कोलकाता में अभी तक 1129 रुपये में मिल रहा सिलेंडर अब 929 रुपये का हो गया है। वहीं मुंबई में अभी तक यह सिलेंडर 1102.50 रुपये का मिल रहा था। अब इसकी कीमत कम होकर 902.50 रुपये हो गई है। चेन्नई में गैस सिलेंडर के रेट 1118.50 रुपये से कम होकर 918.50 रुपये हो गए हैं। इसके साथ ही अब उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को कुल 400 रुपये का लाभ मिलेगा। उन्हें पहले से 200 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। इससे उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर अब 703 रुपये में मिलेगा।

### खजाने पर पड़ेगा असर

अभी यह पता नहीं चला है कि इस फैसले से सरकार के खजाने पर कितना असर पड़ेगा। इस बारे में ठाकुर ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत ग्राहकों को 200 रुपये प्रति सिलेंडर एलपीजी सब्सिडी दी जा रही है, उसकी लागत चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 7,680 करोड़ रुपये बैठेगी। उज्ज्वला लाभार्थी केवल 9.6 करोड़ हैं, जबकि 33 करोड़ उपभोक्ता खाना पकाने के लिये रसोई गैस का उपयोग करते हैं।

# फिर बढ़े कच्चे तेल के दाम

**एजेंसी**

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 30 अगस्त को ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 85.68 डॉलर प्रति बैरल है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड 81.43 डॉलर प्रति बैरल था। हालांकि, इसके बाद भी भारतीय बाजार में तेल की कीमतों में कोई तब्दीली देखने को नहीं मिली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। पिछले कुछ दिनों से कच्चा तेल 84 प्रति बैरल के आस-पास दर्ज किया जा रहा था लेकिन 30 अगस्त की सुबह क्रूड ऑयल की कीमत में और बढ़त देखने को मिली है। ब्रेंट क्रूड ऑयल 85 डॉलर के पार दर्ज किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चल रही कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर ही देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें तय की जाती हैं। हालांकि, देश में अभी तेल की कीमतों पर असर देखने को नहीं मिला है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें जस की तस बनी हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के मुताबिक, इनके भाव में कोई फेरबदल देखने को नहीं मिला है।

# पानीपत में स्थापित होगा आईओसीएल का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट

## ग्लोबल टेंडर जारी, 10 केटीए होगी क्षमता

**नई दिल्ली। एजेंसी**

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने देश में अपनी पहली ग्रीन हाइड्रोजन जेनेरेशन प्लांट को स्थापित करने की कवायद शुरू कर दी है। IOC की पानीपत में 10KTA हजारों टन प्रति वर्ष की क्षमता से यह प्लांट लगाने की योजना है। यह बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट अगले 30 महीनों में तैयार होगा। इस कड़ी में सोमवार को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने पानीपत में यह प्लांट लगाने के लिए ग्लोबल टेंडर निकाला है।

जानकारी के अनुसार, यह ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट IOC के पानीपत रिफाइनरी के पास स्थापित किया जाएगा। 10 KTA की क्षमता वाला यह प्लांट भारत का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट होगा।

### ग्रीन हाइड्रोजन क्यों जरूरी?

साल 2021 में आईओसी ने यह घोषणा की थी कि उसकी 2 ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट्स स्थापित करने की योजना है। इनमें 5ख्र्ऊँ क्षमता वाला प्लांट मथुरा में और 2KTA की कैपिसिटी वाला प्लांट पानीपत में लगाया जाएगा। लेकिन, लेटेस्ट टेंडर डॉक्यूमेंट से पता चला है कि पानीपत में लगने वाला प्लांट 10 KTA क्षमता वाला होगा।

2070 तक नेट-जीरो इमिशन का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन भारत के लिए प्रमुख साधन है। ग्लासगो में पिछले जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा की थी। भारत वर्तमान स्थिति को बदलना चाहता है जहां वर्तमान में उसका संपूर्ण हाइड्रोजन उत्पादन जीवाश्म ईंधन से होता है।

### IOCL की मौजूदा क्षमता

IOCL के पास भारत में 11 रिफाइनरी हैं और वह उनका संचालन करता है। इसके 80.7 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष एमएमटीपीए या 1.6 मिलियन बैरल प्रति दिन की शोधन क्षमता है, जो भारत में रिफाइनिंग कंपनियों के बीच सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। यह भारत में कच्चे तेल और उत्पादों के परिवहन के लिए 14,000 किमी से अधिक की पाइपलाइनों के एक बड़े नेटवर्क का मालिक है और इसका संचालन भी करता है।

न्यू ग्रीन हाइड्रोजन यूनिट का प्रस्तावित स्थान पानीपत रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स के आसपास के क्षेत्र में IOCL के स्वामित्व वाली जमीन पर पानीपत रिफाइनरी और पानीपत नेफ्था क्रैकर क्षेत्र के बीच है। टेंडर में बोली जीतने वाली कंपनी आईओसीएल को डिस्ट्रीब्यूशन प्वाइंट पर गैसीय ग्रीन हाइड्रोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। इसके साथ कंपनी का इरादा नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग करने और पानीपत रिफाइनरी के मौजूदा हाइड्रोजन नेटवर्क के साथ हरित हाइड्रोजन के एकीकरण का है। नई यूनिट में 24×7 आधार पर 1,250 किलोग्राम प्रति घंटे की क्षमता की ग्रीन हाइड्रोजन प्रोडक्शन यूनिट होगी। बता दें कि IOCL पानीपत में 15.0 MMTPA रिफाइनरी संचालित करता है और रिफाइनरी क्षमता को 15 से 25 MMPTA तक बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

# डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत, 5 पैसे बढ़कर

**नई दिल्ली। एजेंसी**

डॉलर के मुकाबले दूसरे एशियाई करेंसी में बढ़त देखने को मिल रही है। मलेशिया रिग्गिंत और इंडोनेशिया रुपिया 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ कामकाज कर रहे है। वहीं फिलीपींस पेसो में 0.08 फीसदी, ताइवान डॉलर में 0.08 फीसदी की बढ़त दिखा रहा है। इस बीच जापान येन में 0.23 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। डॉलर के मुकाबले रुपये बुधवार को बढ़त के साथ खुला। डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे मजबूत होकर 82.66 के स्तर पर खुला। वहीं मंगलवार के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.71 के स्तर पर बंद हुआ था। फिलहाल 10.40 बजे के आसपास डॉलर के मुकाबले रुपया 82.77 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। रुपये का डे हाई 82.78 पर है जबकि डे लो 82.65 पर है। डॉलर इंडेक्स 103.66 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। डॉलर इंडेक्स का डे हाई 104.19 पर है जबकि डे लो 103.53 पर है। वहीं शुक्रवार को डॉलर इंडेक्स 103.53 के स्तर पर बंद हुआ था। फिलहाल डॉलर इंडेक्स 0.13 फीसदी की बढ़त दिखा रहा है। बता दें कि डॉलर इंडेक्स कल 0.50इ से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। 3 दिनों बाद डॉलर इंडेक्स 104 के नीचे आया। बता दें कि मंगलवार को संस्थागत निवेशकों की ओर से खरीदारी देखने को मिली। कैश मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 61.51 करोड़ रुपए की खरीदारी देखने को मिली। जबकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कल कैश मार्केट में 305.09 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। डॉलर के मुकाबले दूसरे एशियाई करेंसी में बढ़त देखने को मिल रही है। मलेशिया रिग्गिंत और इंडोनेशिया रुपिया 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ कामकाज कर रहे है। वहीं फिलीपींस पेसो में 0.08 फीसदी, ताइवान डॉलर में 0.08 फीसदी की बढ़त दिखा रहा है। इस बीच जापान येन में 0.23 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं थाई बात, सिंगापुर डॉलर और चाइना करेंसी में 0.19 फीसदी की गिरावट दिखा रहा है।

# अब देश में खुलेंगे एथनॉल पंप

## बांग्लादेश को किया जाएगा एक्सपोर्ट

**नई दिल्ली। एजेंसी**

गाड़ियों में एथनॉल मिक्स फ्यूल को बढ़ावा देने के मद्देनजर देश में पेट्रोल और सीएनजी पंपों की तर्ज पर एथनॉल पंप भी खोले जाएंगे। इसी के साथ ही पेट्रोल के अलावा डीजल में भी 15 पर्सेंट तक एथनॉल मिक्स करने पर बात चल रही है। अभी डीजल में सामान्य तौर पर एथनॉल मिक्स नहीं किया जाता है। ये बातें केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इलेक्ट्रिक और 85 प्रतिशत एथनॉल पर चलने वाली दुनिया की पहली हाई ब्रिड कार के प्रोटोटाइप को लॉन्च करते वक्त कही।

### देश का पहला एथनॉल से चलने वाला जनरेटर

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि देश में जनरेटर सेट पर चार हजार करोड़ लीटर डीजल की खपत है। इसके लिए हम एक और नया काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूणे में किर्लोस्कर अधिकारियों ने मेरे कहने पर एथनॉल पर चलने वाला जनरेटर और पंप सेट बनाया। इसमें वह कामयाब हुए और आज देश का पहला एथनॉल जनरेटर उनकी बिल्डिंग में चल रहा है। इससे प्रदूषण भी कम हो रहा है और पैसे की भी बचत होती है। इस तरह से पेट्रोल या डीजल से चलने वाले जनरेटर को एथनॉल से चलाया जा सकता है। इसके लिए काम किया जा रहा है।

### देश में खुलेंगे एथनॉल पंप

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कार और टू-वीलर बनाने वाली कंपनियों ने उनसे कहा कि एथनॉल से चलने वाली गाड़ियां तो बन जाएंगी। लेकिन लोग अपनी गाड़ियों में एथनॉल भरवाएंगे कहां से। इसलिए उन्होंने पेट्रोलियम मंत्री से आग्रह किया है कि वह ऑयल कंपनियों से कहें कि वह एथनॉल पंप खोलने की योजना पर भी काम शुरू करें।

### बांग्लादेश को करेंगे एक्सपोर्ट

गडकरी ने बताया कि अभी भारत बांग्लादेश को पेट्रोल और डीजल बेचता है। एक बार वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से मिले। उन्होंने उनसे कहा कि क्या आप हमारे देश के लिए एथनॉल एक्सपोर्ट नहीं कर सकते। अगर संभव हो तो हमें एथनॉल भी एक्सपोर्ट कीजिए। उनकी इस बात को सुनकर उन्होंने आईओसी की असम रिफाइनरी को भी कहा है कि वह अधिक से अधिक एथनॉल बनाए। ताकि इसे बांग्लादेश को भी एक्सपोर्ट किया जा सके। इससे पैसा भी अधिक मिलेगा और बांग्लादेश को भी प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी।

### कब आएगी यह हाईब्रिड कार

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड विक्रम गुलाटी ने कहा कि इस हाईब्रिड कार को जल्द से जल्द लाने की तैयारी चल रही है। यह प्रोटोटाइप कार अभी कई तरह के ट्रायल से गुजरेगी। इसके लिए एक या दो साल या इससे भी अधिक समय लग सकता है। जब यह कार बेचने के लिए लॉन्च की जाएगी तभी इसकी कीमत का भी पता चलेगा। लेकिन कोशिश यही रहेगी कि यह बहुत महंगी ना हो। रही बात कार के 100 फीसदी तक एथनॉल पर चलाने की बात तो यह कार 100 फीसदी तक जा सकती है, लेकिन फिलहाल इसमें 85 फीसदी एथनॉल और 15 प्रतिशत पेट्रोल मिक्स करके चलाया जाएगा। साथ ही यह इलेक्ट्रिक तो है ही। इसकी स्पीड भी सामान्य गाड़ियों जैसी ही होगी। पहले भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया में 7वें नंबर पर आती थी। लेकिन अब चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरे नंबर पर है। भारत ने जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। यहां की ऑटो इंडस्ट्री 4.5 लाख करोड़ से 12.5 लाख करोड़ की हो गई है। हमारी पूरी कोशिश है कि हम दुनिया में पहले नंबर पर हों।

# ईशा, आकाश और अनंत अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के बोर्ड में शामिल

**नई दिल्ली। एजेंसी**

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स में बड़ा बदलाव किया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 46वीं एजीएम में मुकेश अंबानी ने कई अहम घोषणाएं की हैं। रिलायंस इंडट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने बताया कि ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड में शामिल किया गया है। निदेशक मंडल ने आरआईएल के शेयरधारकों से मिली मंजूरी के बाद कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में ईशा, आकाश ओर अनंत अंबानी की नियुक्ति पर विचार किया है। शेयरधारकों ने इस बात पर अपनी सहमति दी है। इधर नीता अंबानी ईशा, आकाश और अनंत अंबानी के रिलायंस इंडट्रीज लिमिटेड के बोर्ड में शामिल होने के साथ बोर्ड से इस्तीफा दे देंगी। हालांकि नीता अंबानी रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन बनी रहेंगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड में शामिल होने के साथ ईशा, आकाश और अनंत अंबानी को बंपर सैलरी के साथ कई अधिकारी मिलेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्युटिव डायरेक्टर रहीं नीता अंबानी को साल 2021-22 में सिटिंग फीस के रूप में करीब 6 लाख रुपये और 2022-23 के लिए 2 करोड़ रुपये कमीशन मिला है। नीता अंबानी को साल 2020-21 में 1.65 करोड़ रुपये कमीशन मिला था। बता दें कि नीता अंबानी के अलावा अन्य गैर-कार्यकारी निदेशकों में दीपक सी जैन, रघुनाथ ए माशेलकर, आदिल ज़ैनुलभाई, रमिंदर सिंह गुजराल, शुमीत बनर्जी, पूर्व एसबीआई चेयरपर्सन अरुंधति भट्टाचार्य, पूर्व सीवीसी केवी चौधरी और सऊदी सॉवरेन वेल्थ फंड के नामित यासिर ओथमान एच अल रुमाय्यान शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सभी स्वतंत्र निदेशकों को 2 करोड़ रुपये कमीशन और सिटिंग फीस मिली है। जनवरी 2023 में रिलायंस बोर्ड में नियुक्त किए गए के वी कामथ को 3 लाख रुपये की सिटिंग फीस और 39 लाख रुपये का कमीशन दिया गया था।

# भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में तगड़ी गिरावट

**नई दिल्ली। एजेंसी**

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तगड़ी गिरावट की खबर है। बीते 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने भंडार में 7.3 अरब डॉलर की भारी कमी हुई है। इसी के साथ अपना भंडार दो महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। अब अपना भंडार घट कर 595 अरब डॉलर रह गया है। इससे पहले 11 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 70 करोड़ 80 लाख डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। उधर अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी की खबर है। हालांकि वहां इतनी कमी नहीं हुई है, जितना कि भारत में।

### भारत का घटा डॉलर का भंडार

रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने भंडार में 7.273 अरब डॉलर की भारी कमी हुई। इसी के साथ अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 594.89 अरब डॉलर रह गया है। इससे पहले 11 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने भंडार में 70 लाख डॉलर से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई थी और अपना भंडार बढ़ कर 602.161 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

### फॉरेन करेंसी एसेट्स में भारी कमी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां (Foreign Currency Asset) घटी हैं। बीते 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें ळएऊ 6.61 अरब डॉलर की कमी हुई है। इसी के साथ अब यह घट कर USD 527.79 billion रह गया है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 999 स्त्त्न्दह की बढ़ोतरी हुई थी। तब अपना फॉरेन करेंसी असेट USD 534.399 billion पर पहंच गया था। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट (FCA) एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। बीते 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के सोने का भंडार में भी कमी हुई है। इस सप्ताह Gold reserves में USD 515 स्त्त्न्दह की कमी हुई। अब अपना सोने का भंडार USD 43.82 billion का रहा गया है।

### एसडीआर में भी गिरावट

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर ळएऊ 119 स्त्त्न्दह घट कर USD 18.20 billion रह गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी कमी आई है। आलोच्य सप्ताह के दौरान इसमें USD 25 million की कमी आई। अब यह घट कर USD 5.07 billion रह गया है।

### पाकिस्तान में भी घटा डॉलर का भंडार

अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों हालात कुछ ठीक नहीं चल रहे हैं। वहां के आर्थिक हालात की बात करें तो इस समय कंगाली जैसी स्थिति दिखती है। वहां बीते 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दोरान विदेशी मुद्रा भंडार में 1.30 करोड़ डॉलर की कमी हुई है। अब वहां का विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 13.24 अरब डॉलर रह गया है। यह पिछले सप्ताह 13.37 अरब डॉलर था।

# 30 का महीना और 16 दिन बैंक बंद, सितंबर में छुट्टियों की भरमार

**नई दिल्ली। एजेंसी**

सितंबर महीने की शुरुआत में बस 1 दिन शेष है। नए महीने के पहले ही बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट आ गई है। सितंबर महीने में छुट्टियों की भरमार है। वहीं दिल्ली में जी-20 समिट होने के कारण 8 से 10 सितंबर तक सभी सरकारी दफ्तरों के साथ-साथ बैंक भी बंद रहेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी गई है। इस लिस्ट के मुताबिक सितंबर में 16 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। वहीं सितंबर में 2,000 रुपये के नोट बदलवाने की डेडलाइन भी है।

### सितंबर में बैंक कब-कब रहेंगे बंद

भारतीय रिजर्व बैंक के छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है। इसके मुताबिक सितंबर के महीने में अलग-अलग फेस्टिवल और शनिवार और रविवार की छुट्टियों को मिलाकर कुल 16 दिन बैंकों की छुट्टी रहेगी। सितंबर में कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, ईद ए मिलाद जैसे कई त्योहार है। किसी भी परेशानी से बचने के लिए बैंक जाने से पहले बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जरूर चेक कर लें।

### सितंबर में लंबी छुट्टियां

3 सितंबरः रविवार के कारण देश भर में बैंक बंद

6 सितंबरः कृष्ण जन्माष्टमी के कारण भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, पटना अंचल में बैंक बंद रहेंगे।

7 सितंबरः श्री कृष्ण जन्माष्टमी के कारण अहमदाबाद, चंडीगढ़, देहरादून, गांगटोक, तेलंगाना, जयपुर, जम्मू, कानपुर, लखनऊ, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला और श्रीनगर अंचल में बैंको की छुट्टी है।

9 सितंबरः दूसरे शनिवार के कारण देश भर के बैंक बंद रहेंगे।

10 सितंबरः रविवार के कारण देश के बैंक बंद

17 सितंबरः रविवार की छुट्टी रहेगी।

18 सितंबरः विनायक चतुर्थी के कारण बेंगलुरु, तेलंगाना अंचल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

19 सितंबरः गणेश चतुर्थी के कारण के कारण अहमदाबाद, बेलापुर, भुवनेश्वर, मुंबई, नागपुर, पणजी में अंचल बैंकों की छुट्टी है।

20 सितंबरः गणेश चतुर्थी/ नुआखाई के कारण कोच्चि और भुवनेश्वर अंचल के बैंक बंद रहेंगे।

### आरबीआई जारी करती हैं बैंकों की छुट्टी की लिस्ट

22 सितंबरः श्री नारायण गुरु समाधि के अवसर पर केवल कोच्चि, पणजी और त्रिवेंद्रम अंचल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

23 सितंबरः चौथे शनिवार को देशभर के बैंक बंद रहेंगे।

24 सितंबरः रविवार के कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे।

25 सितंबरः श्रीमंत शंकरदेव जयंती के कारण गुवाहाटी अंचल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

27 सितंबरः मिलाद ए शरीफ के कारण जम्मू, कोच्चि, श्रीनगर ,त्रिवेंद्रम अंचल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

28 सितंबरः ईद ए मिलाद के मौका पर अहमदाबाद, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, देहरादून, तेलंगाना, इंफाल, कानपुर, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, रायपुर, रांची अंचल में बैंक बंद रहेंगे।

29 सितंबरः ईद ए मिलाद पर केवल गंगटोक, जम्मू और श्रीनगरअंचल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

# 1 सितंबर से शुरु होने वाली है योजना

## GST बिल अपलोड करके घर बैठे जीत सकते हैं करोड़ों रुपए

**चंडीगढ़। एजेंसी**

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि वह सभी खरीद के लिए बिल मांगने वाले ग्राहकों को प्रोत्साहित करने के लिए 'मेरा बिल मेरा अधिकार' पहल शुरू करेगी. इस योजना के तहत प्रत्येक तिमाही में एक-एक करोड़ रुपये के दो बंपर पुरस्कार दिए जाएंगे। करदाताओं को प्रोत्साहन देने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुग्राम से मेरा बिल मेरा अधिकार योजना की शुरुआत करेगी। वे यहां सेक्टर 15 में आयोजित कार्यक्रम में इस योजना का शुभारंभ करेगी।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि करदाताओं को प्रोत्साहन देने के लिए हरियाणा में मेरा बिल मेरा अधिकार योजना शुरू होने जा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत जीएसटी बिल लेने वालों को सरकार करोड़ों के इनाम देगी। दुष्यंत चौटाला ने बताया कि उपभोक्ता को सामान की खरीदारी की रसीद पोर्टल पर अपलोड करनी होगी और 30 करोड़ रुपए के कॉर्पस फंड से ड्रा ऑफ लॉट्स के जरिए उपभोक्ताओं को इनाम मिलेंगे। उन्होंने बताया कि जीएसटी कलेक्शन के लिए यह योजना अहम रोल अदा करेगी क्योंकि इससे ज्यादा से ज्यादा लोग जीएसटी बिल लेने के लिए प्रेरित होंगे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने यह भी जानकारी दी कि हरियाणा के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण असम, गुजरात राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) दमन दीव, दादरा नगर हवली और पुडुचेरी के लिए भी मेरा बिल मेरा अधिकार योजना की शुरुआत करेगी।

# 200 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर 20 रुपये किलो बिकने लगा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

पिछले दो-तीन महीनों से लोगों के घरों से टमाटर गायब थे, क्योंकि टमाटर की कीमत आसमान छू रही थी। टमाटर की कीमत 200-250 रुपये किलो तक पहुंट गया था। टमाटर के दाम में लगातार तेजी आ रही है, लेकिन एक हफ्ते के भीतर ही टमाटर की कीमत 200 रुपये से गिरकर 20 रुपये किलो पर पहुंच गई है। टमाटर के दाम बाजार में 20 रुपये किलो पर पहुंच गए है। कर्नाटक की बात करें तो पिछले हफ्ते तक थोक बाजार में 140 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहे टमाटर का भाव अब आपूर्ति में सुधार के कारण कर्नाटक के हिस्सों में तेजी से गिरकर 20 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मैसुरु एपीएमसी (कृषि उत्पाद विपणन समिति) में टमाटर की कीमत रविवार को घटकर 14 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मैसुरु एपीएमसी के सचिव एम. आर. कुमारस्वामी ने संपर्क किए जाने पर फोन पर किसी की आपूर्ति में सुधार होने से पिछले सप्ताह टमाटर का औसत दाम 20 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। बाजार के सूत्रों ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में टमाटर की आपूर्ति में दो से तीन गुना सुधार हुआ है जिससे उसकी कीमत में तेजी से गिरावट आई है। कुमारस्वामी ने कहाकि पिछले महीने मैसुरु एपीएमसी में थोक दर पर टमाटर की सबसे अधिक कीमत 140 रुपये प्रति किलोग्राम थी। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान में टमाटर की खुदरा दर 30 रुपये के आस पास है।

# क्या होती है प्रॉपर्टी की सेल डीड, लीज डीड और सबलीज

## मकान खरीदने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

**नई दिल्ली। एजेंसी**

**दिल्ली-एनसीआर की बात हो या फिर मुंबई या लखनऊ की। घर या जमीन खरीदते या बेचते वक्त प्रॉपर्टी की कहीं सेल डीड बनती है तो कहीं लीज डीड तो कहीं सबलीज। ऐसे में सवाल उठता है कि इनमें फर्क क्या है और कौन-सी डीड सबसे बेहतर मानी जाती है। घर खरीदने से पहले किस-किस तरह की जानकारी जरूरी है? बता दें कि किसी फ्लैट में निवेश करने से पहले यह देख लें कि जिस जमीन पर सोसायटी बन रही है, वह जमीन लीज होल्ड ( सिर्फ पावर ऑफ अटॉर्नी, इसे पट्टे पर देना भी कहते हैं ) वाली है या सबलीज या फिर सेल डीड ( रजिस्ट्री ) वाली।**

अगर लीज होल्ड वाली है तो यह भी जान लें कि लीज कितने बरसों के लिए दी गई है। अगर 10 बरसों के लिए है तो यह भी मुमकिन है कि बिल्डर घर बनाकर चला जाए और बाद में लीज बढ़वाने का खर्च खरीदार पर आ जाए। साथ ही यह भी देखना जरूरी है कि लीज के बदले में जो चार्ज संबंधित अथॉरिटी ने लगाया था, बिल्डर ने वह चुकाया है या नहीं।

### इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि पावर ऑफ अटॉर्नी कभी भी कोर्ट में एक मजबूत सबूत नहीं होती। फिर चाहे घर में बिजली कनेक्शन हो या कोई दूसरे सबूत ही क्यों न हों, जमीन पर मालिकाना हक के लिए काफी नहीं हैं। यह भी जानना जरूरी है कि बिल्डर को संबंधित अथॉरिटी ने ध्ण (ऑक्यूपेशनल सर्टिफिकेट) दिया है या नहीं। अगर बिल्डर को यह सर्टिफिकेट नहीं मिला है और गलत तरीके से बिजली आदि का कनेक्शन जोड़ा गया है तो बंद भी किया जा सकता है।

किसी ने ऐसे डिवेलपर्स के पास निवेश किया है जो रेरा के तहत रजिस्टर्ड नहीं है तो यह खरीदार के ही रिस्क पर है। ऐसे बिल्डर ने अगर फ्लैट समय पर नहीं दिया या ले-आउट बदल दिया तो उसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ना बहुत मुश्किल हो जाएगा। अगर प्लॉट सरकार बेच रही है या कोई प्राइवेट बिल्डर और उस प्लॉट पर रेरा का नंबर मिला हुआ है तो फंसने की गुंजाइश न के बराबर है।

### प्रॉपर्टी ट्रांसफर के तरीके

सेल डीड (रजिस्ट्री): अगर किसी शख्स को प्रॉपर्टी खरीदने का विकल्प मिले तो उसे पहली प्राथमिकता सेल डीड वाली प्रॉपर्टी को ही देनी चाहिए। यह प्रॉपर्टी स्टांप पेपर पर खरीदी और बेची जाती है। इसमें मालिकाना हक पूरी तरह ट्रांसफर होता है। साथ ही रजिस्ट्री ऑफिस में इसकी रजिस्ट्री भी होती है। दाखिल खारिज (शहरों में म्यूनिसपल कॉरपोरेशन में प्रॉपर्टी के लिए रसीद कटती है) कराना होता है। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी सबसे बेहतर तरीका माना है।

**लीज डीड/सबलीज:** देश में कई ऐसे एरिया भी हैं जहां पर प्रॉपर्टी कुछ वर्षों से लेकर 99 साल तक के लिए लीज पर दी जाती है। अपने देश के कई भागों में इसी तरह से प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री हो रही है। बेचने से पहले वहां की अथॉरिटी से परमिशन भी लेनी पड़ती है। कई बार सरकारें लीज और सबलीज वाली प्रॉपर्टी को सेल डीड वाली प्रॉपर्टी बनाने के लिए ऑफर निकालती हैं। इसमें प्रति वर्ग फुट या फिर प्रति यार्ड के हिसाब से शुल्क देकर प्रॉपर्टी को सेल डीड वाली प्रॉपर्टी में बदला जा सकता है।

### ऐसे करें मालिकाना हक की पुष्टि

अगर जमीन लाल डोरा इलाके की नहीं है और बिक्री के लिए आती है तो उस पर मालिकाना हक 2 तरह से हो सकता है:

**1. पुश्तैनी जमीन:** यह जमीन किसी को उसके पिता या दादा से मिली हुई होती है। ऐसी जमीनों में कई बार सेल डीड यानी रजिस्ट्री के पेपर नहीं होते। लेकिन इनके पास जमाबंदी (सरकार हर 5 से 6 साल पर इलाके के पटवारी से सर्वेक्षण करवाती है और जमीन को असल मालिक के नाम से दर्ज करती है) होती है। इसलिए जब भी किसी की पुश्तैनी जमीन खरीदनी हो तो पिछले 5 या 6 जमाबंदी (30 साल) के कागजात जरूर देखने चाहिए। अगर जमाबंदी हुई है तो यह तय है कि वहां के रजिस्ट्री ऑफिस में भी जरूर दर्ज होगी। इसलिए जमीन जिससे खरीद रहे हैं उससे जमाबंदी के पेपर लेकर रजिस्ट्री ऑफिस से वह कागजात निकलवाकर देख सकते हैं कि उस पर किसका हक था और अब किसका है। इसके लिए क्या-क्या चाहिए

**- जमाबंदी की रसीद**
**- एक फॉर्म भरना होता है।**
**- कुल चार्ज 100 से 200 रुपये लगते हैं।**

2. खुद खरीदी गई जमीन: ऐसी जमीनों की सेल डीड होती है यानी इनकी रजिस्ट्री होती है। इसलिए जिससे भी जमीन खरीद रहे हैं उससे कागजात की कॉपी लेकर वहां के सब-रजिस्टार ऑफिस में भी जा सकते हैं। वहां से जमीन के पेपर निकलवाते हैं। फिर उसे उसका मूल कागजात से मिलान करते हैं। उस पर जिसका नाम दर्ज है, वह सही है या नहीं। रजिस्ट्री की सर्टिफाइड कॉपी भी निकलवा सकते हैं। इसके लिए भी वही प्रोसेस है जो ऊपर बताया गया है।

**नो एन्कम्ब्रन्स सर्टिफिकेट:** अगर किसी प्रॉपर्टी को गिरवी रखने की डीड सब-रजिस्टार ऑफिस में रजिस्टर्ड हुआ होगी तो वहां से इसकी जानकारी एन्कम्ब्रन्स सर्टिफिकेट के रूप मिल जाती है। वहीं प्रॉपर्टी का असली मालिक कौन है, इसकी जानकारी भी सब-रजिस्टार ऑफिस से मिल जाएगी।

**वकील की मदद:** प्रॉपर्टी महंगी है तो किसी वकील की मदद भी ले सकते हैं। वह जमीन से जुड़ी सभी तरह की जानकारी और कागजात कुछ फीस लेकर खरीदार को दे देते हैं।

### फ्लैट खरीदने से पहले

रेरा के माध्यम से अपने बिल्डर की पूरी जानकारी हासिल करें। अमूमन हर राज्य में रेरा की अपनी वेबसाइट है। वेबसाइट पर हर बिल्डर को रजिस्ट्रेशन करना होता है। बिल्डर को बिल्डिंग प्लान, सेंक्शन प्लान, कॉमन एरिया, मिलने वाली सुविधाएं, पजेशन कब मिलेगा जैसी तमाम डिटेल्स डालनी होती हैं।

## अमूमन 3 तरह की जमीन

### 1. फ्रीहोल्ड वाली जमीन

कोर्ट में इस तरह से खरीदी गई जमीनों को सबसे वैध माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इसमें प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री स्टांप पेपर पर होती है। सरकार को रेवेन्यू दिया जाता है और सरकार इस पर जमीन के नए मालिक का नाम लिख लेती है। जमीन की रजिस्ट्री हो रही है तो इसका सीधा-सा मतलब है कि जमीन की पुरानी हिस्ट्री यानी जमीन के लगभग सभी पुराने मालिकों के बारे में सरकार को पता है और उसका सबूत है।

### 2. लाल डोरा की जमीन

ये ऐसे इलाके (ज्यादातर गांवों में) होते हैं जिनका इतिहास सरकार को पता नहीं होता। अमूमन स्थानीय लोग ही जानकारी के स्रोत होते हैं कि वह जमीन पहले किसकी थी और फिर उसे कब बेचा गया। दिल्ली में भी यमुना किनारे वाले कई इलाके हैं।

### 3. कृषि योग्य जमीन

घर तो कहीं भी बनाया जा सकता है, लेकिन घर बनाने के बाद कानूनी मामलों में नहीं उलझना है तो यह देखना चाहिए कि घर कृषि योग्य भूमि पर तो नहीं बना है। अगर ऐसा है तो उसे रिहाइशी बनाने के लिए सरकार से गुजारिश जरूर करनी चाहिए। अगर इस तरह की जमीन में निवेश करने जा रहे हैं तो संबंधित अथॉरिटी में जमीन का खाता-खसरा नंबर से पता कर सकते हैं कि किस तरह की जमीन है।

## रेरा है आपकी सेफ्टी के लिए

1. प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेशन जरूरी: बिल्डर के लिए रेरा में रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। खरीदार उसी प्रोजेक्ट में फ्लैट, प्लॉट या दुकान खरीदें, जो रेग्युलेटरी अथॉरिटी में रजिस्टर्ड हो। बिल्डर को अपना प्रोजेक्ट स्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी में रजिस्टर करना होगा। साथ में प्रोजेक्ट से जुड़ी सभी जानकारी देनी होगी। देश के ज्यादातर राज्यों में रेरा का गठन किया गया है।
2. जेल की सजा: अगर बिल्डर किसी खरीदार से धोखाधड़ी या वादाखिलाफी करता है तो खरीददार इसकी शिकायत रेग्युलेटरी अथॉरिटी से कर सकेगा।
3. सरकारी प्रोजेक्ट भी दायरे में: प्राइवेट बिल्डर या डिवेलपर ही नहीं, हाउसिंग और कमर्शल प्रोजेक्ट बनाने वाले डीडीए, जीडीए जैसे संगठन भी इस कानून के दायरे में आएंगे यानी अगर डीडीए भी वक्त पर फ्लैट बनाकर नहीं देता तो उसे भी खरीदार को जमा राशि पर ब्याज देना होगा। यही नहीं, कमर्शल प्रोजेक्ट्स पर भी रियल एस्टेट रेग्युलेटरी कानून लागू होगा।
4. पांच साल तक जिम्मेदारी बिल्डर की: अगर बिल्डर कोई प्रोजेक्ट तैयार करता है तो उसके स्ट्रक्चर (ढांचे) की पांच साल की गारंटी होगी। अगर पांच साल में स्ट्रक्चर में खराबी पाई जाती है तो उसे दुरुस्त कराने का जिम्मा बिल्डर का होगा।
5. प्रोजेक्ट में देरी पर लगाम: खरीदार को सबसे ज्यादा दिक्कत प्रॉजेक्ट्स में देरी से होती है। अक्सर खरीदारों के पैसे को बिल्डर दूसरे प्रोजेक्ट में लगा देते हैं, जिससे पुराने प्रोजेक्ट लेट हो जाते हैं। रेरा के मुताबिक, बिल्डर्स को हर प्रोजेक्ट के लिए अलग अकाउंट बनाना होता है। इसमें खरीदारों से मिले पैसे का 70 फीसदी हिस्सा जमा करना होगा, जिसका इस्तेमाल सिर्फ उसी प्रोजेक्ट के लिए किया जा सकेगा।
6. ऑनलाइन मिलेगी जानकारी: बिल्डर को अथॉरिटी की वेबसाइट पर पेज बनाने के लिए लॉग-इन आईडी और पासवर्ड दिया जाएगा। इसके जरिए उन्हें प्रोजेक्ट से जुड़ी सभी जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। हर तीन महीने पर प्रोजेक्ट की स्थिति का अपडेट देना होगा। रेरा से रजिस्ट्रेशन के बिना किसी प्रोजेक्ट का विज्ञापन नहीं दिया जा सकेगा।

# पूरी दुनिया में फिर बढ़ा कोरोना का खतरा

# कनाडा में नए वेरिएंट से हड़कंप

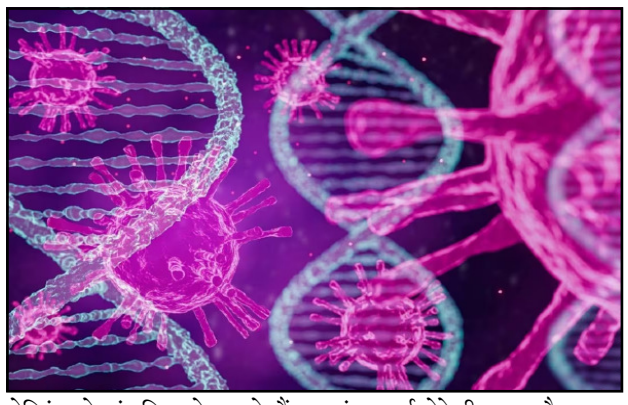

**एजेंसी**

कोरोना वायरस ने करीब 3 साल पहले तबाही मचानी शुरू की थी। तब से इसके ना जाने कितने वेरिएंट पूरी दुनिया में तांडव मचा चुके हैं। अल्फा, बीटा, डेल्टा, ओमीक्रोन ने तो सभी की नींदें उड़ाकर रख दी थी। अब एरिस के बाद कोविड का पिरोला वेरिएंट आ चुका है, जिसका असली नाम BA.2.86 है। कोरोना का यह नया वेरिएंट कई देशों में दस्तक दे चुका है। जिससे हड़कंप मच गया है। हाल ही में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक शख्स ओमीक्रोन के नए वेरिएंट BA.2.86 से संक्रमित पाया गया है। कनाडा में यह पहला मामला है। इस वेरिएंट से संक्रमित मरीज ने प्रशांत प्रांत (Pacific province) के बाहर यात्रा भी नहीं की है। इस बात की जानकारी कनाडा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने दी है। कोलंबिया प्रांत के प्रमुख डॉक्टर बोनी हेनरी और स्वास्थ्य मंत्री एड्रियन डिक्स ने एक संयुक्त बयान में बताया कि मरीज को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि BA.2.86 वायरस से लोगों को ज्यादा खतरा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि ओमीक्रोन वेरिएंट BA.2.86 के मामले की उम्मीद कनाडा में नहीं थी। कोरोना वायरस पूरी दुनिया में फैल रहा है। ओमीक्रोन का यह नया वेरिएंट BA.2.86 पहली बार डेनमार्क में पाया गया था। यह अन्य वेरिएंट के मुकाबले बहुत तेजी से फैलता है। इस नए वेरिएंट से संक्रमित मरीज अमेरिका, स्विट्जरलैंड और इजराइल में भी मामले दर्ज

### वैक्सीन लगवा चुके लोग भी हो सकते हैं संक्रमित

अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने पिछले हफ्ते कहा था कि जो लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। वो लोग भी BA. 2.86 वेरिएंट से संक्रमित हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि यह वायरस 30 से ज्यादा म्युटेशन के साथ आया है। चिंता की बात यह है कि इस बात की जानकारी किसी को नहीं है कि इसके म्युटेशन कितने गंभीर हो सकते हैं या उनके फैलने की क्षमता कितनी हो सकती है। इसके लक्षण दिखते ही तुरंत अलर्ट होने की जरूरत है। लक्षण दिखने पर तुरंत RTPCR या एंटीजन टेस्ट करवाना चाहिए। संक्रमण होने पर बहती या भरी हुई नाक, सिरदर्द, थकान, छींक आना, गला खराब होना, खांसी, सूघने की क्षमता कम होना जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं।

## मेट्रो ट्रेन के कोच सड़क मार्ग से इंदौर पहुंचे

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

बुधवार रात तक मेट्रो के कोचों वड़ोदरा के सावली से इंदौर पंहुचे। इंदौर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 156 से होकर आ रहे कोच गुरुवार को सुबह विशेष उपकरणों से अनलोड किए जाएगें। मेट्रो प्रबंधन के अधिकारियों के अनुसार बुधवार शाम इंदौर के मेट्रो डिपो तीनों कोचों पंहुचे। अलस्टाम कंपनी द्वारा सावली में तैयार किए गए 60-60 टन वजनी तीन कोच अलग-अलग कंटेनर से आए हैं। वड़ोदरा से झाबुआ होकर इंदौर आने वाला मार्ग काफी घुमावदार मोड़ होने से वड़ोदरा से उदयपुर होते हुए सड़क से 800 किलोमीटर की दूरी तय कर कोच इंदौर आए।

कोचों को पटरी पर पहुंचाने के लिए विशालकाय 'फोर पाइंट जैक' क्रेन मेट्रो डिपो में पहुंच चुकी है। इसके माध्यम से कोचों को पटरियों पर ले जाया जाएगा। इनकी अनलोडिंग में 10 दिन का समय लगेगा। कोच को मेट्रो के डिपो में बने स्टेब्लिंग यार्ड में ले जाकर टेस्टिंग ट्रैक पर जांच की जाएगी। उसके पश्चात कोच मेट्रो के वायडक्ट पर पहुंचेंगे। इस तरह 14 सितंबर तक मेट्रो कोच का ट्रायल रन होने की संभावना जताई जा रही है।

### ट्रायल रन के लिए एक ट्रैक का उपयोग

गांधीनगर डिपो से सुपर कारिडोर तीन मेट्रो स्टेशन के बीच 5.9 किलोमीटर लंबे वायडक्ट पर मेट्रो का ट्रायल रन होना है। ट्रायल रन के दौरान वायडक्ट की डाउनलाइन पर बिछाई दो पटरियों में से सिर्फ एक का उपयोग किया जाएगा। गांधीनगर डिपो से स्टेशन होते हुए मेट्रो के कोच को सुपर कारिडोर स्टेशन नंबर 3 तक लाया जाएगा। ट्रायल रन के दिन इसी स्टेशन से गांधीनगर स्टेशन की ओर हरी झंडी दिखाकर मेट्रो के तीनों कोच को रवाना किया जाएगा।

## हीरो मोटोकॉर्प ने नए अवतार में लॉन्च किया 'न्यू ग्लैमर'

### प्रगतिशील स्टाइलिश डिजाइन और उन्नत टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया में मोटरसाइकिल और स्कूटरों के सबसे बड़े निर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने अपने ग्लैमर ब्रैंड की मजबूत विरासत की बुनियाद पर न्यू ग्लैमर मोटरसाइकिल लॉन्च की। ग्लैमर का यह नया अवतार 125 सीसी सेगमेंट में कंपनी की तकनीकी रूप से उन्नत और आकर्षक डिजाईन वाले उत्पादों की उत्तेजक श्रृंखला में नवीनतम वृद्धि है। न्यू ग्लैमर अपनी समय से परे किन्तु सटीक और संतुलित खूबसूरती, उच्च स्तर की व्यवहारिकता और दक्षता लोगों को अपनी और आकर्षित करती है। न्यू ग्लैमर को हीरो मोटोकॉर्प की क्रांतिकारी आई3एस तकनीक (आइडल स्टॉप-स्टार्ट सिस्टम) के साथ लॉन्च किया गया है। नए फुली डिजिटल कंसोल, रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर और मोबाइल चार्जिंग पोर्ट जैसी विशेषताएं इस बाइक के टेक प्रोफाइल में चार चाँद लगाती हैं। अपने दमदार डिजाइनिंग फीचर्स के साथ न्यू ग्लैमर ज्यादा मजबूत और ज्यादा आकर्षक दिखती है। मोटरसाइकिल पर चेक की शक्ल में नई धारियाँ इसके शानदार स्टाइल को और बढ़ाती है। बेहतर अर्गनोमिक्स की बदौलत यह उच्च स्तर का आराम, अभिगम्यता और लम्बी दूरी की आरामदेह यातायात सुनिश्चित करती है।

हीरो मोटोकॉर्प, इंडिया बीयू के चीफ बिजनेस ऑफिसर, श्री रंजीवजीत सिंह ने कहा, 'अपनी बेशुमार लोकप्रियता के दम पर ग्लैमर ने देश के स्टाइल, आराम और तकनीक की तलाश करने वाले नौजवानों के बीच प्रॉडक्ट्स के निष्ठावान प्रशंसकों का विशाल आधार बनाया है। हीरो मोटोकॉर्प में हमारा उद्देश्य हमेशा अपने उपभोक्ताओं को अलग-अलग फीचर्स से लैस और तकनीकी रूप से बेहतरीन प्रॉडक्ट्स प्रदान करने का रहा है। न्यू ग्लैमर बाइक की लॉन्चिंग से सबसे प्रतिस्पर्धी 125 सीसी सेग्मेंट में ब्रैंड की मौजूदगी और मजबूती से दर्ज होगी।

## कैंपा कोला की एशिया और अफ्रीका से करेंगे शुरुआत

**नई दिल्ली। एजेंसी**

रिलायंस एजीएम में ईशा अंबानी ने आज अपना विजन पेश किया। रिलायंस रिटेल की कमान संभाल रही ईशा अंबानी ने कैंपा कोला को बड़ी तैयारी की है। उन्होंने कहा कि कैंपा कोला को ग्लोबल मार्केट में ले जाने का काम किया जाएगा। इसकी शुरुआत एशिया और अफ्रीका से होगी। पिछले साल ही रिलायंस ने कैंपा कोला को अधिग्रहण किया था। कैंपा कोला अधिग्रहण करने के बाद से रिलायंस रिटेल इसका उत्पादन बढ़ाने में लगी है और उसकी एशिया एवं अफ्रीका समेत वैश्विक बाजारों में भी इसे पेश करने की योजना है। रिलायंस रिटेल ने पिछले साल 22 करोड़ रुपये में कैम्पा कोला ब्रांड का प्योर ड्रिंक्स ग्रुप से अधिग्रहण करने के बाद उसे नए सिरे से बाजार में उतारा है। अब यह शीतल पेय उत्पाद चुनिंदा बाजारों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने लगा है जहां उसका मुकाबला कोका-कोला और पेप्सिको जैसी वैश्विक कंपनियों से है। रिलायंस रिटेल की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, ''हमने कैम्पा कोला को भारतीय स्वाद के साथ पेश किया है और ग्राहकों ने पूरे दिल से इसे अपनाया है। हम भारतीय बाजार में इसका उत्पादन बढ़ा रहे हैं और इसे वैश्विक बाजार में भी ले जाने पर काम कर रहे हैं। इसकी शुरुआत एशिया और अफ्रीका के साथ होगी। रिलायंस रिटेल की एफएमसीजी इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने कैम्पा कोला के उत्पादन एवं पैकिंग के लिए साल की शुरुआत में श्रीलंका स्थित सीलोन बेवरेज इंटरनेशनल के साथ रणनीतिक साझेदारी की थी। कैम्पा कोला देश में कोका-कोला और पेप्सिको जैसी विदेशी कंपनियों के भारतीय बाजार में दस्तक देने के पहले एक लोकप्रिय शीतल पेय ब्रांड था। लेकिन नब्बे के दशक में प्रतिस्पर्द्धा बढ़ने के साथ यह अपनी चमक खोता चला गया।

# 615 करोड़ रुपए में चांद पर पहुंच गया चंद्रयान-3

## सूरज तक पहुंचने में आएगा कितना खर्च

**नई दिल्ली। एजेंसी**

चंद्रयान 3 की सफलता के बाद अब इसरो सूरज पर पहुंचने की तैयारी कर रहा है। सूरज का अध्ययन करने के लिए इसरो अपना अगला मिशन शुरू करने जा रहा है। इसरो ने अपने सन मिशन का नाम 'आदित्य एल1' (aditya-l1 ) रखा गया है। 2 सितंबर को भारत के सूर्य मिशन की लॉन्चिंग होगी। चंद्रयान 3 की सफलता के बाद उसके कम बजट ने दुनियाभर का ध्यान खींचा था। ऐसे में इसरो के सूर्य मिशन के बजट को लेकर भी चर्चा तेज है। इसरो की ओर से इसके बजट को लेकर जानकारी दी गई है।

### सूर्य मिशन पर कितना खर्च

आपको बता दें कि इसरो ने साल 2008 में सूर्य मिशन की परिकल्पना की गई थी, लेकिन बजट की कमी के कारण उसे रोक दिया गया। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अदित्य मिशन के रास्ते भी खुल गए हैं। इस मिशन के लिए इसरो ने लॉन्चिंग लागत को छोड़कर 378.53 करोड़ रुपये का बजट बनाया है।हालांकि इसमें लॉन्चिंग का खर्च शामिल नहीं है। अगर लॉन्चिंग के खर्च को जोड़ दिया जाए तो ये थोड़ा और बढ़ जाएगा। आदित्य एल1 का एल1 लग्रेंज प्वाइंट 1 को दर्शाता है। यब धरती और सूर्य के बीच के दो महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक है। इसके जरिए सूर्य की जानकारी हासिल करने में मदद मिलती है। इस मिशन के जरिए L1 बिंदु के आसपास 'लग्रेंज प्वाइंट' पहुंचने की कोशिश होगी, जिसमें 109 दिन लग सकते हैं। आपको बता दें कि इसरो का चंद्रयान 3 दुनिया का सबसे सस्ता चांद मिशन है। चंद्रयान 3 को चांद तक पहुंचाने का खर्च एक हॉलीवुड मूवी से भी कम है। चंद्रयान-3 का बजट सिर्फ 615 करोड़ रुपये है। वहीं सूर्य मिशन का खर्च इससे भी कम है। इसरो के मून मिशन से आधे खर्च में सूर्य मिशन को पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

### इतिहास रच देगा भारत

चंद्रयान के बाद इसरो अंतरिक्ष में एक और इतिहास रचने की तैयारी कर रहा है। 2 सितंबर को इसरो अपने आदित्य मिशन को लॉन्च करने जा रहा है। भारत का आदित्य एल1 मिशन चंद्रयान 3 से भी सस्ता है। अगर ये मिशन सफल हो जाता है तो भारत अमेरिका, जर्मनी, यूरोप , चीन की कतार में आकर खड़ा हो जाएगा। इतना ही नहीं इस मिशन के सफल होने के बाद एक बार फिर से दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां इसरो का लोहा मान लेगी। इसरो आदित्य एल1 को लग्रेंज प्वाइंट तक पहुंचाने अगर सफल होता है तो सूर्य के बारे में कई अहम जानकारियों को इकट्ठा किया जा सकता है।

# इन लोगों के लिए लकी रहेगा सितंबर महीना

## 5 ग्रहों का महा गोचर कर देगा मालामाल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर माह कई ग्रह अपना राशि परिवर्तन करते हैं। जल्द ही सितंबर माह की शुरुआत होने वाली है। सितंबर माह में 5 बड़े ग्रह गोचर करने जा रहे हैं। इन ग्रहों के गोचर का प्रभाव सभी राशि के जातकों पर देखने को मिलेगा। कुछ लोगों को शुभ तो कुछ को अशुभ फलों को प्राप्ति होगी। कुछ राशियां ऐसी हैं, जिन्हें ग्रहों के ये गोचर काफी लाभ कराने वाले हैं। इसका अर्थ है कि सितंबर का महीना कुछ राशि वालों के लिए बेहद लकी रहने वाला है। 4 सितंबर को शुक्र, कर्क राशि में मार्गी होंगे। इसी दिन बृहस्पति भी मेष राशि में वक्री होने जा रहे हैं। 16 सितंबर को सूर्य, कन्या राशि में गोचर करेंगे। 24 सितंबर को मंगल, कन्या राशि में अस्त होंगे।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

### मेष राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सितंबर का महीना मेष राशि वालों के लिए शुभ फलदायी साबित होने वाला है। इस दौरान आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में इजाफा होगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। नए तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। विदेशों से जुड़ा कारोबार करने वालों के लिए समय अच्छा है। बैंक बैलेंस बढ़ेगा।

### तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए यह समय शुभ साबित होने वाला है। संतान सुख की प्राप्ति होगी। नई गाड़ी या प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। प्रेम संबंधों में सफलता हासिल होगी। व्यवसाय में अच्छा लाभ होता नजर आएगा। वहीं इस समय अवधि में करियर में भी शुभ परिणाम मिल सकते हैं। मेहनत के परिणामों का शुभ फल प्राप्त होगा।

### मकर राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर राशि वालों के लिए सितंबर माह अनुकूल साबित होगा। इस दौरान आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन मिल सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। वाणी से लोगों को प्रभावित करेंगे। निवेश से लाभ मिलेगा। काम के नए मौके मिलेंगे। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

# नहाने के बाद करें ये छोटा-सा काम, कभी नहीं होगी पैसों की कमी

कई बार वास्तु दोष के कारण व्यक्ति को तकलीफों का सामना करना पड़ता है। तब समझ नहीं आता की क्या करना चाहिए। वास्तु दोष का प्रभाव पूरे घर के सदस्यों पर पड़ता है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होने लगता है। साथ ही तरक्की और धन हानि होने लगती है। इससे बचने के लिए वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ उपाय हैं। जिन्हें अपनाने से जातक की परेशानियां दूर होने लगती है।

■सुबह स्नान के बाद सबसे पहले अपने इष्ट देव को याद करें। ऐसा करने से घर में शांति आती है। ■सुबह स्नान करने के बाद आराध्य की पूजा करने से घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है। ■रोजाना स्नान के बाद घर में गंगा जल छिड़कें। इससे घर में सुख-समृद्धि भी आएगी। ■नहाने के बाद घर में हल्दी वाला पानी छिड़कें। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना शुभ माना जाता है।

# इस वजह से होता है शादी में विलंब, जरूर करें ये उपाय, बनेंगे विवाह के योग

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर और मजबूत होना जातक की जीवन पर महत्वपूर्ण असर डालती है। यदि आपकी कुंडली में भी गुरु ग्रह कमजोर है, तो शादी में रुकावटों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह यदि आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की युति उसके विरोधी ग्रह के साथ है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जातक का विवाह समय से नहीं हो पाता है, उसे शादी से जुड़ी कई परेशानियां आती हैं। इतना ही नहीं, इसके कारण व्यापारियों का आर्थिक हानि और रोगी का इलाज होने के बाद भी सेहत में सुधार न होने जैसे बाधाएं आती हैं। इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आपको गुरु ग्रह को मजबूत करना होगा। इसके लिए आपको कुछ खास उपाय जरूर करने चाहिए। आज हम आपको कुंडली में गुरु ग्रह को मजबूत करने के कुछ उपाय बताने जा रहे हैं।

### गुरु ग्रह को मजबूत करने के उपाय

गुरु ग्रह को सबसे बड़ा ग्रह माना जाता है। गुरु ग्रह का दिन बृहस्पतिवार माना जाता है। इस दिन गाय को भोजन कराना चाहिए।

गुरु ग्रह पीले रंग का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए जिस भी व्यक्ति की कुंडली में गुरु कमजोर होता है, उसे बृहस्पतिवार के दिन पीले रंग के वस्त्रों को धारण करना चाहिए।

गुरुवार के दिन लक्ष्मी नारायण भगवान का विधिवत पूजन करें। इसके साथ ही जल में चने की दाल के कुछ दाने, हल्दी और गुड़ डालकर केले के पेड़ में जल चढ़ाएं।

पानी में थोड़ी सी हल्दी डालकर नहाने से गुरु ग्रह मजबूत होता है और उनकी कृपा प्राप्त होती है।

यदि आपको रत्न पहनने का शौक है और कुंडली में गुरु कमजोर है, तो ज्योतिषी की सलाह से पुखराज पहन सकते हैं।

बृहस्पतिवार के दिन छोटी कन्याओं को पीली वस्तुओं का दान करना चाहिए। ये बहुत शुभ माना जाता है।

गुरुवार को केले के पेड़ की जड़ पीले रंग के वस्त्र में बांधकर दाहिनी भुजा में धारण करना चाहिए।

गुरुवार के दिन साबुन, तेल आदि का प्रयोग न करें। साथ ही इस दिन नाखून और बाल नहीं काटने चाहिए। इस दिन पुरुषों को हेयर कट, शेविंग भी नहीं करनी चाहिए।

# कुंडली के 12 भावों से जुड़ा है आपका जीवन, जानिए कौन है किस भाव का स्वामी ग्रह

**वैदिक ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति के संपूर्ण जीवन को जन्म कुंडली के 12 भावों में बांटा गया है। प्रत्येक भाव का एक विशेष अर्थ है। इन भावों में स्थित राशि, नक्षत्र तथा ग्रहों का अध्ययन करने के बाद ही व्यक्ति का राशिफल पता जाता है। 12 भावों की स्थिति से व्यक्ति के भूत, वर्तमान और भविष्य सभी के बारे में पता लगाया जाता है। यह व्यक्ति के जीवन के संपूर्ण क्षेत्रों की व्याख्या करते हैं। कुंडली में सभी 12 भावों का अपना-अपना विशेष कारकत्व होता है। आइये जानते हैं कुंडली के 12 भाव उनके स्वामी ग्रह और कारक ग्रह कौन से हैं।**

1.प्रथम भावः स्वभाव भाव
2.द्वितीय भावः धन और परिवार भाव
3.तृतीय भावः यह भाई-बहन एवं वीरता भाव
4.चतुर्थ भावः माता एवं आनंद भाव
5.पंचम भावः संतान एवं ज्ञान भाव
6.षष्ठम भावः शत्रु एवं रोग भाव
7.सप्तम भावः विवाह एवं पार्टनरशिप भाव
8.अष्टम भावः आयु का भाव
9.नवम भावः भाग्य, पिता एवं धर्म भाव
10.दशम भावः करियर और व्यवसाय भाव
11.एकादश भावः आय और लाभ भाव
12.द्वादश भावः व्यय और हानि भाव

### कुंडली के 12 भावों से किया ज्ञात किया जाता है

1.प्रथम भाव से जन्म और व्यक्ति का स्वभाव ज्ञात किया जाता है।
2.द्वितीय भाव से धन, नेत्र, मुख, वाणी, परिवार ज्ञात किया जाता है।
3.तृतीय भाव से पराक्रम, छोटे भाई-बहन, मानसिक संतुलन ज्ञात किया जाता है।
4.चतुर्थ भाव से माता, सुख, वाहन, प्रापर्टी, घर ज्ञात किया जाता है।
5.पंचम भाव से संतान, बुद्धि ज्ञात किया जाता है।
6.षष्ठम भाव से रोग, शत्रु और ऋण ज्ञात किया जाता है।
7.सप्तम भाव से विवाह, जीवनसाथी, पार्टनर ज्ञात किया जाता है।
8.अष्टम भाव से आयु, खतरा, दुर्घटना ज्ञात किया जाता है।
9. नवम भाव से भाग्य, पिता, गुरु, धर्म ज्ञात किया जाता है।
10.दशम भाव से कर्म, व्यवसाय, पद, ख्याति ज्ञात किया जाता है।
11.एकादश भाव से लाभ, अभिलाषा पूर्ति ज्ञात किया जाता है।
12. द्वादश भाव से खर्चा, नुकसान, मोक्ष ज्ञात किया जाता है।

### कुंडली के 12 भावों के स्वामी और कारक ग्रह

1.पहले भाव का स्वामी ग्रह मंगल होता है और कारक ग्रह सूर्य है।
2.दूसरे भाव का स्वामी ग्रह शुक्र होता है और कारक ग्रह गुरु है।
3.तीसरे भाव का स्वामी ग्रह बुध होता है और कारक ग्रह मंगल है।
4.चौथे भाव का स्वामी ग्रह चंद्र होता है और कारक चंद्र है।
5.पांचवें भाव का स्वामी ग्रह सूर्य होता है और कारक ग्रह गुरु है।
6.छठे भाव का स्वामी ग्रह बुध होता है और कारक ग्रह केतु है।
7.सातवें का स्वामी शुक्र होता है और कारक शुक्र और बुध हैं।
8.आठवें भाव का स्वामी ग्रह मंगल होता है और कारक ग्रह शनि, मंगल और चंद्र हैं।
9.नौवें भाव का स्वामी ग्रह गुरु होता है और कारक भी गुरु होता है।
10.दसवें भाव का स्वामी ग्रह शनि होता है और कारक शनि है।
11.ग्यारहवें भाव का स्वामी शनि होता है और कारक गुरु है।
12.बारहवें भाव का स्वामी गुरु होता है और कारक राहु है।

# सुंदरकांड में हनुमान सिखाते हैं सफलता के सूत्रः खुद की योग्यता को पहचानें इससे मुश्किलें आसान हो जाएंगी

किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरी है योग्यता। सबसे पहले आपको अपनी योग्यता का निर्धारण करना है, उसके बाद आपको यह तय करना है कि आप किस क्षेत्र में सफल होना चाहते हैं। रामचरित मानस का पांचवा अध्याय सुंदरकांड सफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। वानरों के सामने एक असंभव सी दिखने वाली चुनौती थी। सौ योजन यानी करीब 400 किमी लंबा समुद्र लांघकर लंका पहुंचने की। जब वानरों के दल में समुद्र लांघने के बात आई तो सबसे पहले जामवंत ने असमर्थता जाहिर की। फिर अंगद ने कहा मैं जा तो सकता हूं लेकिन समुद्र पार करके फिर लौट पाऊंगा इसमें संदेह है। अंगद ने खुद की क्षमता और प्रतिभा पर संदेह जताया। ये आत्म विश्वास की कमी का संकेत है। जामवंत ने हनुमान को इसके लिए प्रेरित किया। हनुमान को अपनी शक्तियों की याद आई और उन्होंने अपने शरीर को पहाड़ जैसा बड़ा बना लिया। आत्म विश्वास से भरकर बोले की अभी एक ही छलांग में समुद्र लांघकर, लंका उजाड़ देता हूं और रावण सहित सारे राक्षसों को मारकर सीता को ले आता हूं। अपनी शक्ति पर इतना विश्वास था हनुमान को। जामवंत ने कहा नहीं आप सिर्फ सीमा मैया का पता लगाकर लौट आइए। हमारा यही काम है। फिर प्रभु राम खुद रावण का संहार करेंगे। हनुमान ने एक ही उड़ान में समुद्र को लांघ लिया। रास्ते में सुरसा और सिंहिका ने रोका भी लेकिन उनका आत्म विश्वास नहीं डोला। जब हम किसी काम पर निकलते हैं तो अक्सर मन विचारों से भरा होता है। आशंकाएं, कुशंकाएं और भय भी पीछे-पीछे चलते हैं। हम अधिकतर मौकों पर अपनी सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं होते। जैसे ही परिस्थिति बदलती है हमारा विचार बदल जाता है। ये काम में असफलता की निशानी है। अगर आप इन स्थितियों से गुजरते हैं तो साफ है कि आप में आत्म विश्वास की कमी है। सफलता के लिए सबसे जरूरी है आत्म विश्वास।

# टेस्ला के लिए नियम बदल रही सरकार!

**नई दिल्ली। एजेंसी**

सरकार एक नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी पर काम कर रही है। इसके तहत ऐसी ऑटो कंपनियों को इम्पोर्ट टैक्स में छूट दी जा सकती है जो देश में कुछ मैन्यूफैक्चरिंग करेगी। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारतीय बाजार में एंट्री करने का प्रस्ताव दिया है। कंपनी ने भारत में इम्पोर्ट टैक्स कम करने की मांग की थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार पूरी तरह विदेश में बनी कारों के आयात पर इम्पोर्ट ड्यूटी 100 परसेंट से घटाकर 15 परसेंट कर सकती है। 40,000 डॉलर से ज्यादा कीमत वाली कारों के आयात पर 100 परसेंट इम्पोर्ट टैक्स लगता है जबकि बाकी कारों पर यह 70 परसेंट है। टेस्ला की बेस्ट सेलिंग कार मॉडल वाई है जिसकी अमेरिका में कीमत 47,740 डॉलर है।

एक अधिकारी ने कहा कि टेस्ला के प्रपोजल पर एक अंडरस्टेंडिंग है और सरकार इसमें दिलचस्पी दिखा रही है। अगर सरकार इस तरह की पॉलिसी अपनाती है तो इससे देश में विदेशों से इम्पोर्ट की गई ईवी कारों की कीमत में भारी गिरावट आ सकती है। इससे दूसरी विदेशी ऑटो कंपनियां के लिए भी भारत के दरवाजे खुल सकते हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार मार्केट है लेकिन देश में ईवी कारों की सेल दो परसेंट से भी कम है। हालांकि इसमें तेजी से इजाफा हो रहा है। एक सूत्र ने कहा कि इम्पोर्ट टैक्स में कमी से टेस्ला भारत में अपने सारे मॉडल बेच सकती है। कॉमर्स और फाइनेंस मिनिस्ट्री ने इस पर टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने कहा कि यह पॉलिसी अभी चर्चा के शुरुआती दौर में है और फाइनल टैक्स रेट में बदलाव हो सकता है।

### टेस्ला का प्रपोजल

टेस्ला ने 2021 में भारत में एंट्री करने की कोशिश की थी लेकिन कंपनी ने ईवी पर इम्पोर्ट टैक्स कम करने की मांग की थी। सरकार का कहना था कि पहले कंपनी को देश में मैन्यूफैक्चरिंग का वादा करना होगा, उसके बाद इस पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत टूट गई थी और टेस्ला ने भारत आने का विचार छोड़ दिया था। जून में मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका में मुलाकात की थी। इसके बाद से ही टेस्ला की भारत में एंट्री की सुगबुगाहट तेज हुई है।

एक सूत्र ने कहा कि टेस्ला ने भारतीय अधिकारियों से कहा है कि 2030 तक भारत में उसकी फैक्ट्री पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर सकती है। हालांकि इम्पोर्ट टैक्स में छूट से टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों पर असर पड़ सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार टेस्ला को भारत लाने की इच्छुक है लेकिन इस पर जल्दबाजी में कुछ नहीं किया जाएगा। दूसरे कई देशों ने भी ईवी मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के उपाय किए हैं। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया ने कारों पर इम्पोर्ट ड्यूटी 50 परसेंट से जीरो करने की पेशकश की है। माना जा रहा है कि चीन की कंपनियों और टेस्ला को आकर्षित करने के लिए यह ऑफर दिया जा रहा है।

# टमाटर के बाद प्याज रुलाने लगा महंगाई के आंसू

## एनसीसीएफ ने किसानों से खरीदे 2826 टन प्याज

**नई दिल्ली। एजेंसी**

टमाटर के बाद अब प्याज लोगों के बजट को बिगाड़ने लगा है। प्याज की कीमत में लगातार तेजी आने लगी है। सरकार ने भी इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) ने शनिवार को कहा कि उसने पिछले चार दिनों में किसानों से सीधे 2,826 टन प्याज खरीदा है। यह खरीद 2,410 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हुई। सरकार ने इस साल प्याज के बफर स्टॉक का लक्ष्य तीन लाख टन से बढ़ाकर पांच लाख टन कर दिया है।

घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए निर्यात पर अंकुश लगाने के बीच सरकार यह भी चाहती है कि किसान घबराहट में बिक्री न करें। इसलिए दो सहकारी समितियों- एनसीसीएफ और एनएएफईडी को किसानों से सीधे एक लाख टन प्याज खरीदने का आदेश दिया गया है। दोनों सहकारी समितियां सरकार के बफर स्टॉक को थोक और खुदरा बाजार में बेच रही हैं। प्याज के दाम इस समय दिल्ली और अन्य शहरों में गुणवत्ता के आधार पर 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक हैं।

एनसीसीएफ के प्रबंध निदेशक एनीस जोसेफ चंद्रा ने बताया कि सहकारी समिति ने 22 अगस्त को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में किसानों से सीधे खरीद शुरू की। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में लगभग 12-13 खरीद केंद्र खोले गए हैं और मांग के आधार पर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। चंद्रा ने कहा, ''पिछले चार दिनों में हमने लगभग 2,826 टन प्याज खरीदा। ज्यादातर खरीद महाराष्ट्र से हुई है। कुल एक लाख टन खरीदने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि एनसीसीएफ किसानों से सीधे 2410 रुपये प्रति क्विंटल पर प्याज खरीद रहा है, जो मौजूदा थोक दर 1900-2000 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक है।

# दुनिया की 21 बडी कंपिनयों में भारतीय सीईओ

**नई दिल्ली। एजेंसी**

भारत दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरा है। आज पूरी दुनिया भारत की तारीफ कर रही है। इस समय भारतीयों का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। गूगल से लेकर यूट्यूब तक की कमान भारतवंशियों के हाथ में है। दुनिया की दिग्गज कंपनियों में भारतीय मूल के सीईओ भारतीय मूल के हैं। इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। दुनिया की बड़ी कंपनियों के टॉप पदों पर रहकर भारतीय मूल के सीईओ लाखों डॉलर कमा रहे हैं। हाल ही में वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर दुनिया की दिग्गज कंपनियों में भारतीय मूल के सीईओ की एक लिस्ट पोस्ट की है। इस लिस्ट को देखकर दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला व स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क भी गदगद हो गए हैं। एलन मस्क इस बात से काफी प्रभावित हैं। एलन मस्क ने इस पोस्ट पर इंप्रैसिव लिखा है।

### भारतीयों का बज रहा डंका

दुनिया की दिग्गज कंपनियों में भारतीय मूल के सीईओ की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। मौजूदा समय में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ संजय मेहरोत्रा हैं। एडोब के सीईओ शांतनु नारायण हैं। सत्या नडेला माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और सीईओ हैं। सुंदर पिचाई अल्फाबेट और गूगल के सीईओ हैं। वहीं जय चौधरी ज़स्केलर के सीईओ हैं जो एक क्लाउड सुरक्षा कंपनी है। अरविंद कृष्णा आईबीएम के सीईओ हैं। नील मोहन यूट्यूब के सीईओ हैं और जॉर्ज कुरियन शीर्ष तकनीकी दिग्गजों में से एक नेटएप के सीईओ हैं।

### 90 हजार से ज्यादा लाइक

वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स की ओर से एक्स पर की गई इस पोस्ट को अभी तक 90 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। लोगों को यह पोस्ट काफी पसंद आ रही है। लोग इसपर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इस पोस्ट पर 14 मिलियन से ज्यादा व्यू आ चुके हैं। लोग इसे एक दूसरे को खूब शेयर भी कर रहे हैं।

# क्यों कार में आते हैं प्लास्टिक के बंपर

## माइलेज के साथ सुरक्षा से जुड़ा है मामला

**नई दिल्ली। एजेंसी**

हर कार को एक अलग रूप देने के लिए उसे एक डिजाइनदार बंपर जरूर दिया जाता है. ये कुछ कारों को क्यूट तो कुछ को मस्कुलर लुक देता है. लेकिन ज्यादातर लोगों की शिकायत रहती है कि उनका बंपर कमजोर है और छोटी सी टक्कर पर भी वो क्रैक हो जाता है या उसके लॉक टूट जाते हैं। कार कितनी भी मजबूत हो लेकिन उसका बंपर हमेशा फाइबर या प्लास्टिक में ही दिया जाता है। जिसके चलते ये कार के दूसरे पार्ट्स के मुकाबले कमजोर होता है। हालांकि पुरानी कारों में आपको लोहे का या अलॉय का बंपर देखने को मिलता था जो काफी मजबूत होता था। लेकिन समय के साथ कंपनियों ने लोहे के बंपर को रिप्लेस कर दिया। अब लोहे के बंपर केवल ट्रकों में देखने को मिलते हैं। आखिर कार कंपनियों ने ऐसा क्यों किया, क?या इसके पीछे वजह केवल पैसे बचाना था या और भी कोई कारण रहा। दरअसल बंपर को प्लास्टिक या फाइबर का देने के पीछे काफी बड़ी साइंस छुपी है।

### सेफ्टी के लिए

कारों में प्लास्टिक का बंपर आपकी सेफ्टी के लिए दिया जाता है। इस बंपर के पीछे आपको क्रैश गार्ड देखने को मिलता है। आसानी से टूट जाने वाला ये बंपर किसी भी टक्कर के दौरान काफी इंपेक्ट खुद ही झेल लेता है। दरअसल प्लास्टिक या फाइबर का होने के कारण इसमें काफी लचीला पन होता है और टक्कर के दौरान झटका काफी हद तक इसी पर रह कर खत्म हो जाता है और कार के दूसरे पार्ट्स के साथ ही ये आपको भी किसी तरह की चोट लगने से बचाता है। मैटल या अलॉय का बना बंपर टक्कर के दौरान पूरा झटका कार पर ही देता है जिससे हादसे में काफी नुकसान होता है।

### माइलेज पर फर्क

मेटल का बंपर काफी भारी होता है, इसकी तुलना में फाइबर से बना बंपर बहुत हल्का होता है। इसकी वजह से कार के इंजन पर कम भार पड़ता है और कार का माइलेज अच्छा रहता है। मेटल का बंपर कार पर बिना किसी कारण के एक बोझ के समान होता है जो हर समय कार के इंजन को ढोना होता है। साथ ही मैटल के बंपर में किसी भी तरह का डेंट आने पर ये कार के अलाइनमेंट को खराब कर देता है। जिससे न केवल माइलेज कम होता है बल्कि कार के टायर भी खराब होते हैं।

### रिपेयर में आसानी

प्लास्टिक के बंपर को रिपेयर करना आसान होता है। इस पर डेंट पड़ने या टूटने पर इसे आसानी से रिपेयर या रिप्लेस किया जा सकता है और ये ज्यादा महंगा भी नहीं आता है। वहीं मेटल के बंपर को रिपेयर करने में काफी बड़ा खर्च आता है और ये प्रक्रिया आसान भी नहीं होती। वहीं इसको रिप्लेस करना भी एक महंगा खर्च साबित होता है।

# भारत ने दिखाया बड़ा दिल, इस देश को अब भेजेगा सफेद चावल

**निर्यात पर लगा बैन खत्म, जल्द होगी सप्लाई**

**नई दिल्ली।** भारत ने मंगलवार को कहा कि सिंगापुर के साथ अपने विशेष संबंधों को ध्यान में रखते हुए उसने इस एशियाई राष्ट्र को चावल के निर्यात की अनुमति देने का फैसला किया है। भारत ने पिछले महीने सभी गैर-बासमती सफेद चावलों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक चावल की कीमतों में भारी वृद्धि दर्ज की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि सिंगापुर को चावल के निर्यात की अनुमति देने वाला आधिकारिक आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा।

# स्काईस्कैनर अब हिंदी में होगा उपलब्ध

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

मशहूर ग्लोबल ट्रैवल मार्केटप्लेस, स्काईस्कैनर ने अपने डेस्कटॉप और मोबाइल वेब का अनुभव हिंदी भाषा में लॉंच करने की घोषणा की। भारत के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ इस लॉंच द्वारा स्काईस्कैनर का उद्देश्य यात्रियों को ज्यादा स्थानीय और यूजर फ्रेंडली अनुभव प्रदान करना है। इस लॉन्च के साथ अब स्काईस्कैनर 52 से ज्यादा देशों में कुल 32 भाषाओं में उपलब्ध हो गया है, जिससे यात्री हर महीने 1200 से ज्यादा विश्वसनीय ट्रैवल पार्टनर्स से जुड़ सकेंगे, और सबसे अच्छी उड़ान, होटल या कार हायर की सेवाएँ प्राप्त कर सकेंगे। हिन्दी भाषा के अनुभव द्वारा स्काईस्कैनर भारत में मेट्रो शहरों के साथ टियर 2 और टियर 3 शहरों के यात्रियों के साथ ज्यादा प्रभावशाली तरीके से जुड़ सकेगा।हिंदी भाषा के लॉन्च के बारे में स्काईस्कैनर ट्रैवल एक्सपर्ट, मोहित जोशी ने कहा स्काईस्कैनर में हम जो कुछ भी करते हैं यात्रा करने वालों को ध्यान में रखकर ही करते हैं। हमारा मानना है कि दुनिया घूमने वालों के लिए भाषा कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। इसीलिए हम हर महीने लाखों यात्रा करने वालों को भरोसेमंद ट्रैवल पार्टनर से जोड़ते हैं और 32 से भी ज्यादा अलग-अलग भाषाओं में उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं। हिन्दी में स्काईस्कैनर के लॉन्च से दुनिया की खोज करने के लिए भारतीय यात्रियों की जरूरत को पूरा करने पर हमारा फोकस प्रदर्शित होता है।'

उन्होंने कहा हमारे आँकड़े दिखाते हैं कि भारतीय यात्री 2023 में किस प्रकार ट्रैवल डील्स एवं विकल्प ऑनलाइन तलाश रहे हैं, इसलिए हिन्दी भाषा शुरू करना यह सुनिश्चित करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है कि हम बाजार की जरूरतों को पूरा कर सकें। अब यात्रा करने वाले अब अपनी मनपंसद भाषा हिंदी के साथ आसानी से स्काईस्कैनर के टूल्स और सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे, और बड़ी आसानी व पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी यात्रा के बारे में खोज करने, योजना बनाने और बुकिंग करने में समर्थ बन सकेंगे।' यात्रा करने वाले अपने डेस्कटॉप और मोबाइल वेब पर स्काईस्कैनर खोलकर हिंदी को अब भाषा विकल्प के रूप में चुन सकेंगे।

# फिजिक्स वाला की 26 शहरों में पीडब्ल्यू विद्यापीठ का शुभारंभ

## छात्रों को 200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति देने की घोषणा

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) भारत में बड़े पैमाने पर शिक्षा को उदार बनाने वाला अग्रणी यूनिकॉर्न एड-टेक कंपनी है। यह भारत भर में तकनीक से सुसज्जित 26 नए ऑफ़लाइन सेंटर पीडब्ल्यू विद्यापीठ की शुरुआत कर रहा है। पीडब्ल्यूएनएसएटी 2023 (फिजिक्स वाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से छात्रों के पास 100ऱ तक छात्रवृत्ति प्राप्त करने का अवसर है। पीडब्ल्यू मेधावी छात्रों को 200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। परीक्षा ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी। यह कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के साथ ड्रॉपर्स के लिए भी उपलब्ध होगी, जो जेईई या नीट की तैयारी करने के इच्छुक हैं। पीडब्ल्यू एनएसएटी परीक्षा 1, 8 और 15 अक्टूबर 2023 को ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी और ऑनलाइन मोड में छात्र 1 से 15 अक्टूबर 2023 तक परीक्षा दे सकते हैं। परीक्षा के लिए पंजीकरण पीडब्ल्यू वेबसाइट, ऐप या निकटतम ऑफ़लाइन विद्यापीठ सेंटर पर 15 अक्टूबर, 2023 तक कराया जा सकता है। परीक्षा के परिणाम 20 अक्टूबर, 2023 को घोषित किए जाएंगे। पीडब्ल्यू विद्यापीठ इस समय भारत के 38 शहरों में 67 सेंटर्स संचालित कर रहा है, जिसमें लगभग डेढ़ लाख छात्र हैं। फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) 26 और सेंटर खोलकर अपनी ऑफ़लाइन उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। ऑफलाइन विद्यापीठ सेंटर्स एक विस्तृत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं, जिसमें जेईई/नीट की तैयारी हेतु छात्रों को सीखने के लिए सभी आवश्यक चीजें शामिल हैं। फिजिक्स वाला लगातार उत्कृष्ट परिणाम देता रहा है।

विद्यापीठ ऑफलाइन, पीडब्ल्यू के सीईओ अंकित गुप्ता ने कहा, 'कोविड के बाद शिक्षा का नया रूप विकसित हुआ है। छात्र अब ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सीखने का फायदा उठाना चाहते हैं। पीडब्ल्यू का दृढ़ विश्वास है कि हाइब्रिड दृष्टिकोण अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है। हम शहरों में तकनीकी-सक्षम ऑफ़लाइन विद्यापीठ सेंटर्स खोलकर छात्रों को उनके ही कस्बों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चाहते हैं।

# बजाज फाइनेंस फिक्स्ड डिपॉजिट 50,000 करोड़ रुपये के पार

**मुंबई। आईपीटी नेटवर्क**

भारत की लीडिंग और डाइवर्सिफाइड नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों में शामिल, बजाज फिनसर्व ग्रुप की कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा है कि उसकी फिक्स्ड डिपॉजिट बुक ने 50,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। बजाज फाइनेंस में 5 लाख जमाकर्ता हैं, हर जमाकर्ता ने 2.87 डिपॉजिट्स रखी हैं, यानी कुल मिलाकर 1.4 मिलियन डिपॉजिट्स हैं। बजाज फाइनेंस को अपने लॉन्ग टर्म डेट प्रोग्राम के लिए CRISIL , ICRA , CARE और इंडिया रेटिंग्स से हाइएस्?ट क्रेडिट रेटिंग AAA/ स्टेबल, अपने शॉर्ट टर्म डेट प्रोग्राम के लिए CRISIL, ICRA और इंडिया रेटिंग्स से A1+ रेटिंग और अपने फिक्स्ड डिपॉजिट

प्रोग्राम के लिए CRISIL और ICRA से AAA (स्टेबल) की रेटिंग मिली है।

बजाज फाइनेंस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट - फिक्स्ड डिपॉजिट एंड इन्वेस्टमेंट , सचिन सिक्का ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर लॉन्ग टर्म सेविंग्स समाधान पेश करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारे फिक्स्ड डिपॉजिट पोर्टफोलियो की तेज ग्रोथ रही है, जो पिछले 2 सालों में दोगुनी हो गई है। यह बजाज फिनसर्व ब्रांड में ग्राहकों के भरोसे, डिजिटल रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट की बुकिंग में आसानी और हमारी देशव्यापी उपस्थिति को दर्शाता है। बजाज फाइनेंस 44 महीने की अवधि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर सबसे अधिक ब्याज दरों की पेशकश करता है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.60% और अन्य के लिए 8.35% सालाना है। 10 सालों में, कंपनी ने अपनी डिपॉजिट बुक (जमा बही) को 60% CAGR और जमाकर्ताओं की संख्या को 49% CAGR की दर से बढ़ाया है।

कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट पर 12 महीने की अवधि के लिए 7.40% और 24 महीने के लिए 7.55% की ब्याज दरें ऑफर कर रही है। 36 से 60 महीनों के लिए ब्याज दरें 8.05% हैं। वरिष्ठ नागरिकों को इन दरों पर अतिरिक्त 0.25% की पेशकश की जाती है। बजाज फाइनेंस के 73 मिलियन ग्राहक हैं और इसके ऐप पर 40.2 मिलियन ग्राहक हैं। कंपनी अपने डिजिटल चैनलों के माध्यम से बड़ी संख्या में अलग अलग उम्र वर्ग के ग्राहकों को एफडी का चयन करते हुए देख रही है।

# आत्मनिर्भर भारत की राह पर चल रही है ग्रासिम की यात्रा

**मुंबई। आईपीटी नेटवर्क**

ग्रासिम की यात्रा आत्मनिर्भर भारत की राह पर चल रही है यह बात ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने 76वीं एनुअल जनरल मीटिंग में कही। ग्रासिम की अब तक की यात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा 'आज ही के दिन 76 साल पहले इस कंपनी का गठन किया गया था। यह यात्रा विकास, डायनेमिक रिइन्वेंशन, सस्टेन्ड वैल्यू क्रिएशन और राष्ट्र निर्माण की यात्रा रही है। ग्रासिम का विकास हमारे देश की बढ़ती यात्रा को दर्शाता है और आज यह एक नए भारत की भावना को दर्शाता है। बेशक, यह एजीएम भारत की चंद्रयान की सफलता के 48 घंटे के भीतर हो रही है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना भारत की महत्वाकांक्षा, तकनीकी कौशल और विश्व कल्याण के लिए वैश्विक ताकत के रूप में इसकी बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। भारत आज अनिश्चितताओं से जूझ रहे विश्व में अलग खड़ा है।

आगे उन्होंने कहा 'हमारी यात्रा 'आत्मनिर्भर भारत' से गहराई से मेल खाती है। निरंतर हो रहे इनोवेशन, रणनीतिक क्षमता में वृद्धि और उभरते उच्च-विकास के अवसरों का लाभ उठाते हुए, हमने वैश्विक स्तर के व्यवसाय स्थापित किए हैं। फाइबर से लेकर टेक्सटाइल तक, केमिकल से लेकर सीमेंट तक, वित्तीय सेवाओं से लेकर रिन्यूएबल एनर्जी तक, और अब पेंट से लेकर बी2बी ई-कॉमर्स तक, हमारा लक्ष्य हमेशा अटल रहा है - अपने सभी स्टेकहोल्डर के लिए सस्टेन्ड वैल्यू का निर्माण।' ज्ञात हो कि कम्पनी का ट्रैक रिकॉर्ड पिछले तीन वर्षों में कंसोलिडेटेड आधार पर राजस्व और कर पश्चात लाभ में 16ऱ की सराहनीय चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर या सीएजीआर दर्शाता है।

# दुनिया की 60% कृषि योग्य परती जमीन अफ्रीका में, इनका इस्तेमाल से दुनिया बदल सकती है - मित्तल

**इंदौर। एजेंसी**

दुनिया की 60% कृषि योग्य परती जमीन अफ्रीका में, इनके इस्तेमाल से खाद्य संकट दूर होगा। सीआईआई की ओर से आयोजित बी20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुनील मित्तल ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया की 60 प्रतिशत कृषि योग्य और बिना खेती वाली भूमि (परती जमीन) अफ्रीका में है। अगर खेती के लिए इस जमीन का इस्तेमाल किया जाए तो यह दुनिया के खाद्य संकट को दूर कर सकता है जिससे दुनिया बदल जाएगी। ये बातें अफ्रीकी आर्थिक एकीकरण पर बी20 इंडिया एक्शन काउंसिल के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने कही है। नई दिल्ली में बी20 समिट 2023 के दौरान मित्तल ने कहा कि अफ्रीका की कृषि योग्य, असिंचित और उपजाऊ भूमि खाद्य संकट का समाधान पेश कर सकती है। मित्तल ने कहा कि अफ्रीका का आर्थिक एकीकरण गति पकड़ रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि अफ्रीका संघ जल्द ही जी-20 का स्थायी सदस्य बन जाएगा। मित्तल ने कहा कि जी-20 में अफ्रीकी की आवाज बेहद महत्वपूर्ण है। बी20 समिट इंडिया 2023 के दौरान बोलते हुए मित्तल ने कहा, 'दुनिया की 60 प्रतिशत कृषि योग्य और अब तक असिंचित भूमि अफ्रीका में है। आज हम सभी ने देखा है कि खाद्य उत्पादन के मामले में दुनिया किस संकट से गुजर रही है... बस अफ्रीका को खेती करने की जगह के रूप में अपनाएं, यहां की मूल्य वर्धित कृषि पूरी दुनिया बदल सकती है। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन मित्तल ने अफ्रीका को उम्मीद का आखिरी महाद्वीप बताया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर ( म.प्र. ) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।